

गह समझौता पत्र आज विनोक <sup>at</sup> गो विन भूखारी/गुरतामियों जो राष्ट्रित का/के पूर्ण रथारी हैं/हैं जिसे आगे नी लेखन दिया गया है और विनारिहित असौ में एतवद्वारा पर्याप्त किया गया है अंतिम।

॥ रामायण ॥ श्लोक ५४

(ii) মানুষ পুরুষের কৃতি মাত্রা Y<sub>4</sub>

ପ୍ରକାଶନ କମିଶନ ଅଧିକାରୀ ମହାନ୍ତିର ମହାନ୍ତିର ମହାନ୍ତିର

प्रथम प्रश्न (५) एतद्वाचात् पूर्वापि वहा गया है। और ५८ २ ५६  
 भारत संस्कार में साधुपाठी / भारत संस्कार के माध्यम से कार्य कर रहे ..... (कथ निकाय का चाप)  
 द्वितीय प्रश्न (६) ऐ एतद्वाचात् "कंग निकाय" कहा गया है। कृं भव्य एतदगुरुराह द्वारालक्षिते / निष्णारेति किया गया है।  
 और यौकि उत्तिष्ठति। यत्कामन युग्मि के रामेश देव वर ताणो कुल गुणीं पूर्वा पर साहपत है। भी जिराका विषयण अनुरूपी में दिया गया है।  
 और यौकि यूंगी अमोदर रामात्मा है। है। कि अनुरूपी में वर्णित, मृष्ट योई चात या गूबद्ध किरी थीज से स्थापी रूप से सम्बद्ध  
 सभी बातें कंग निकाय लें पूर्व अनुगीदन से गारा ली जा सकती हैं।

(1) यह कि निकाय इस वापरीता पत्र के निष्पादन की लिंगि रो अधिकतम 12 गाह के भीतर अनिवार्य अर्जन के बिना कार्यवाही

(2) यह कि हमें काम प्रियांग भूमि पर धुरण्डा बनाना देना, ज्ञावरण रामधारा है तो गठ / वे ऐसा करने का हकदार होगा / होगे, मगे नी इस पर प्रताल लाही सो, परन्तु यह कि, अबू यूमी गे चंपिठे " दर और कुल भूमि पूल्य" का भगतान फर दिया हो।

(3) यह कि था। कृत सुनी पुस्तक के पश्चात यह प्रकट होता है कि दूसरी इस सांडीता पत्र वे कर्ण में निष्पादित विक्रय विरोध के आनुसार प्रति के राष्ट्रीय धरणी का / को अन्यथ रूप से हकदार नहीं है। भीर कर्य निकाय के ओर से विरोधी आच व्यक्ति को विरोध प्रति राज प्राप्ति ग्रहण की अनुमति दी जाती है।

जाय गांग दिए। जाने पर कपस गर देखा और किसी अन्य घटित/घटियों द्वारा किरी दाने या प्रतिकर या उरके मार गे

रणी का द्वारा । ॥ और अपितूं के लिये हमें । ॥ गंगा पुणतानि ॥ करण रुद्र (गिराव द्वारा उपगत किसी प्रकार या व्यय को)

प्रथम वर्ष के दौरान 9 प्रतिशत के दर पर और प्रसात तीव्र वृद्धि के लिए 15 प्रतिशत की दर पर व्याज गुमाता न करेगा/करेगें। (4) यहि गुमाता फुटवी पैरा मे उत्स्थिति चारार्थी क्यं निकाय को वापस लाने से अलग नहीं है।

प्रायग से उसे यूनानी के शास्त्रों के रूप में वसुल बताने या ऐसी धर्मार्थी को वसुली के लिये प्रयुक्त किरी विधि कि अभी वहाँ जाने के लिये उपयोग किया जाएगा।

(5) यदि अनुमति मे वर्गीय पूरी सारकारी देय/अर्थ/ प्रिमियम मूलाषी द्वारा देय है या किसी वित्तीय संस्था का अनुमति गणि के लिए इसका कानून है तो सरा भवित्वी को कुल पूरी मुल्य की धाराषी से कटौती करके ऐसे प्राप्ताषी का भावना भावना करना।

(c) कथ विकास परीक्षणार्थी के प्रथम सम्पादित इस सांगीता पत्र के अनुपोदन के उपरान्त आवश्यक विकास विलेख का विपादन निम्न जारीगा तिथि: प्रतीकरण/विवरण चारव्वी साप्तरा शुल्क जिरामे स्तुति शतक भी संयुक्त है को काम विकास पत्र पर लिया जाएगा।

(7) विक्रय विकल्प के नियादन के दिनांक पर ही संपर्चित भूसांगी रो अगुसूची-1 में घण्टित भूगी का कल्पा क्या निकाय दाया जाएगा।

(१) कथ मिकारा हस्त विस्त्रिति प्राप्त आधार पर इस समझौता पत्र को गूरुवारी को १५ दिन तक जो जोड़ा रखेंगे।

(1) यदि गूर्वातीत पत्र को बनाए पूर्ण घोषित करके सम्प्रदित कराया है।  
 (2) यदि गूर्वातीत के द्वारा सम्प्रदित पत्र को किसी शर्त का उल्लंघन विद्या जाता है।  
 (3) यदि इस गूर्वातीत पत्र के विभादन के उपरान्त नह प्रवाह होता है कि अनुसूची- 1 में विभिन्न गृहि का रखागित्य भरवायी में नहीं है।

الله  
بسم

450000

## प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग आज्ञायकाद

लालमण

१ विश्वजीत राय  
उप मुख्य कार्यकारी समिति  
उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस बोर्ड  
बिकास प्राधिकारी

मूर्खानी/भूमि विद्या के संबंध में नियम तथा गोपनीयों के लिए समझौते हांग पूर्ण कर्म लिया जाए। ऐसा नामांकित किया जाए।  
महाराजा अपूर्णदेव जैन

यह समझौता पत्र आज दिनांक 8/9/15 वार्ष 2015 को विन भूर्खानी/मूर्खानीयों जो राष्ट्रीय का/के पूर्ण स्थानी है/हैं विशेष आगे लिया गया है और नियमित अर्थों में एकत्रित बर्णित किया गया है।

(1) रमेश पूर्ण श्री ३१५ अश. ४३  
(2) विनेश पूर्ण श्री ३१५ अश. ४३  
(3) चन्द्रप्रकाश पूर्ण श्री ३१५ अश. ४३

प्रत्येक पत्र (विन एकत्रित भूर्खानी का) गया है और  
भारत सरकार ने एकत्रित / भारत सरकार के मालिक रो कारी कर रहे (कथ निकाय का नाम)  
हितीय पत्र (विन एकत्रित "कथ निकाय" कहा गया है) के मध्य एकादश गुरुवार हरामासित / निष्पादित किया गया है।  
मूल के उल्लेख। प्राचीन भूमि के सापेक्ष दैर्घ्य तर तात्पुरा युल भूमि युल प्रकट सहगत है। विनका नियन अनुसूची में दिया गया है।  
और यूकि भूर्खानी अपेक्षा राष्ट्रीय है। विन अनुसूची में बर्णित भूर्खद कोई बात या भूखद विनकी जीज री राष्ट्रीय रूप से सम्बद्ध राष्ट्रीय कारी कथ निकाय लें पूर्ण अनुपोदन से बाहर नहीं जा सकती।

अतएव अब भूर्खानी और कथ नियन यी एकत्रित भूर्खानी प्रकार राहगत होता है होते हैं।

(1) यह कि वा। नियन इस समझौता पत्र के विषयादान की विधि से अधिकाराम् १२ माह के भीतर अनिवार्य अर्जन के लिया कार्यवाही करने से राखा जाए।

(2) यह कि वा। कथ नियन भूमि का भूर्खाना वाला लेना आवश्यक रामधारा है तो गह / वे ऐसा करने का हकदार होगा/होंगे, गहे ही इस वा। पत्रात लेनी मुँहन्तु यह कि अनुसूची में बर्णित "दर और बुल मूर्ख" का भूगतान कर दिया हो।

(3) यह कि वा। कथ भूमि के पश्चात गह प्रकट होता है कि भूर्खानी इस सांवित्री पत्र के रूप में निष्पादित विकाय विलेख के अनुसार प्रति १० ने बार्षी भूर्खानी का / के अंग्रेज रूप से हकदार नहीं है। और कथ निकाय के ओर से विनकी अन्य व्यक्ति को किसी प्रक्रिया का भूमिकान लेने की अपेक्षा नहीं जाती है तो भूर्खानी हारा ऐसी धनराशी, जो कथ निकाय हारा अवश्यक राष्ट्रीय विधि में जाए पर वापस गह देगा और कि की अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों हारा विनकी दावे गा प्रतिकर या उसके भाग के विकल्प कथ नियन/वाला संघार को (भूमिका और प्रक्रिया) भूतिपूर्ण भी करेगा और उसकी विनकी जी धनराशी की राष्ट्रीय कथवाली। और अप्रियता के विलेख होगे। इनको भूगतान वा धनराशी क्या नियन द्वारा उपगत किसी प्रकार या व्यक्ति द्वारा गही धनराशी ०० रुपये / राष्ट्रीय भूमिका के कारण कथ निकाय हारा चारात किसी तापात प्रगत या व्यक्ति द्वारा पर पश्चात गह के ००००० प्रतिशत के द्वारा पर पश्चात तीन वर्षों के लिए १५ प्रतिशत की दर पर व्याज भूगतान करेगा/करेंगे।

(4) यदि भूर्खानी पूर्खी वैष्ण वा उत्तिरित धनराशी कथ निकाय को वापस लेने से असफल रहता है। रहते हैं तो कहोकर के गायम से उसे भूर्खाना के लाये के रूप में वसूल करने या ऐसी धनराशी को वसूली के लिये प्रयत्न किसी विधि के अधीन नहीं कर्तव्यानी करते हैं। अप्रेश है कि का पूरा अधिकार होगा।

(5) यदि अनुसूची में बर्णित भूमि पर कोई राष्ट्रीय दैर्घ्य/अर्थ/प्रभियम भूर्खानी द्वारा देय है या विनकी वित्तिय राष्ट्रीय या व्यक्ति भूमि के ०० रुपये का अधिक राष्ट्रीय है तो तरा धनराशी को युसूल भूमि की धनराशी से कटौती करके देंगे धनराशी का भूगतान भूर्ख.

(6) कथ नियन के अनुसार इसका अनुसूची के वाय विवरण/विवरण राष्ट्रीय राष्ट्रीय राष्ट्रीय शुल्क जिसपे स्ताप्त शुल्क भी सम्भवित है को कथ निकाय द्वारा लाय गह। किया जाएगा।

(7) विकाय विनकी के विषयादान के विनकी पर ही सम्बन्धित भूर्खानी जो अनुसूची-१ में बर्णित भूमि का वाला कथ निकाय द्वारा प्राप्त विनका जायेगा।

(8) कथ नियन वाला विनकीवित आपाने पर इस समझौता पत्र को भूर्खानी को १५ दिन का नोटिस देकर निरस्त किया जा सकता।

(1) यदि भूर्खानी ने राष्ट्रीय वाला को कपट पूर्ण छापा करके सम्पदित कराया है।  
(2) यदि भूर्खानी के दावे समझौता पत्र की किसी गारी का उल्लंघन दिया जाता है।  
(3) यदि इस वालीकर पत्र के विषयादान वा उपरान्त भी प्रकट होता है कि अनुसूची-१ में बर्णित भूमि का व्यक्तिगत भूर्खानी में नहीं है।

प्राचीन भौतिकी

किन्तु नेशनल नियन  
भूमि

प्रभागीय निवेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग

१५  
(विश्वसीत राय)  
उत्तर प्रदेश एकत्रप्रेसपेल वैद्योगिक  
विकास प्राधिकरण (यूपाडा)

श्रीमति विनेश  
सुनीत देवी

मूर्तामी/मार्ग विषय के लिए निकाय के बीच जो उपयोगमें के लिए समझौते होंगा मूर्ति नाम किये जाएं हेतु निम्नानुसार किया जाते हैं।

यह समझौता परं आज विषयक विषय के लिए निम्न मूर्तामी/मूर्तामियों जो सापेति का/के पूर्ण स्थानी हैं/हैं जिसे आगे लिखित निम्न प्राचीन और निम्नविभिन्न अर्थों में उत्तरदाता वर्णित किया गया है अर्थात्-

१. भूर्ता	पूर्व श्री	शुभा	५५
२. भूर्ता	पूर्व श्री	शुभा	५१२
३. भूर्ता	पूर्व श्री	शुभा	५१२

प्राचीन एवं निम्न भूर्ता मूर्तामी कहा जाता है।

भारत संस्कार में सामाजिक भूर्ता राज्यालय के प्रतिनिधि रो कारी कर रहे हैं (कथ निकाय का नाम)

हिन्दू धर्म (१६ वीं शताब्दी) "कथ निकाय" कहा गया है। वीं धर्म एवं दुर्गार हरारामरित / निष्ठादित किया गया है।

जैक उत्तरदाता नाम सामेत देव द्युष्मान भूमि पूर्वा या उत्तरदाता है/हैं। जिसका विवरण अनुसूची में दिया गया है। और यैक भूमि अभी भूमि राज्यालय है/हैं। जिसका नाम अनुसूची में दिया गया है। और यैक भूमि अभी भूमि राज्यालय है/हैं। जिसका नाम अनुसूची में दिया गया है। और यैक भूमि अभी भूमि राज्यालय है/हैं। जिसका नाम अनुसूची में दिया गया है।

अतएव अब भूमि अभी भूमि निम्नानुसार इस भूमियों का प्रकार विवरण होता है होते हैं।

(१) यह कि यह निकाय इस सामाजिक भूमि के लिये द्वारा विवरण दिया गया अधिकारा १२ मार्ग के भीतर अनिवार्य अर्जम के विना कार्यवाही करते हैं।

(२) यह कि यह विवरण भूमि का भूर्ता वाला लोना आवश्यक राज्यालय है तो यह / वे ऐसा करने का हकदार होगा/होंगे, गले ही इस १६ वीं शताब्दी में भूर्ता भूमि वे विवरण "दर और बुल मूर्ति मूल्य" का भूगतान कर दिया हो।

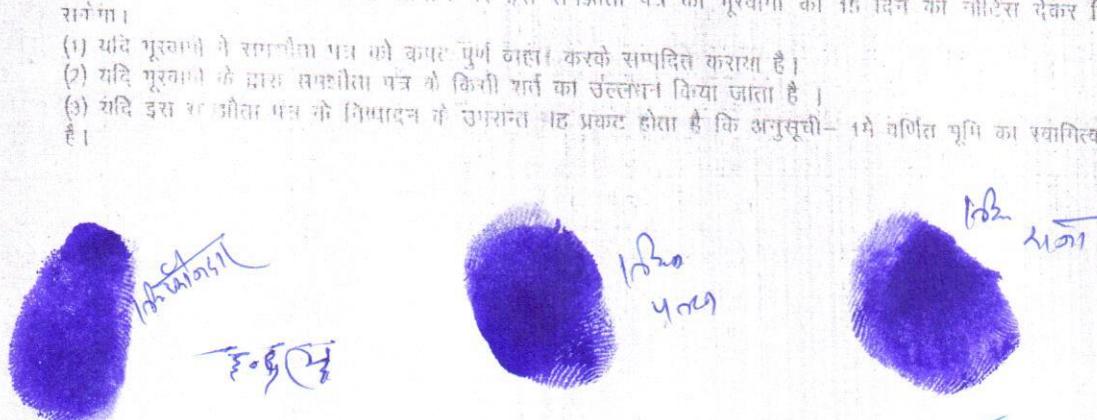
(३) यह कि यह भूमि भूमि भूमि के पश्चात गांव प्रकार होता है जिसका भूमि इस सामाजिक भूमि के लिये विवरण दिया गया है। और यह भूमि के राज्यालय समाजीकरण का / के अन्यथा रूप से हकदार नहीं है/है, और कथ निकाय के ओर से विनी अन्य व्यक्ति को विनी प्रतिकरण का भूमियों का अपेक्षा गयी जाती है तो भूर्ता भूमि द्वारा ऐसी भूगतानी जो कथ निकाय द्वारा अवधारित की जाये गये हैं जोपर वार दैगा और कैसी अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा विनी दाये गये प्रतिकरण या उसके भाग के विवरण/विवरण/राज्य समाज को (विवरण और प्रधानकरण) भूतिपूर्वी गी करेगा और उत्तरायी गी विनी गी जानि या भूगतान की राज्यालय के विवरण/उनी / उनको भूगतान के वारपर कथ विवरण द्वारा उपगत निरी प्रकार या व्यक्ति को गरी भूगतानी । उनी / उनको भूगतान के कारण कथ निकाय द्वारा उपगत किनी लागत प्राप्त या व्यक्ति की गयी भूगतानी पर पद्धति वर्ती के दूर पर और पश्चात वर्ती वर्ती के लिये १६ वीं विवरण की गत पर व्याज भूगतान करेगा/करेंगे।

(४) यदि भूर्ता भूमि वैश या उत्तिलिपित भाराशी कथ निकाय को वापस वारने में अराफल रहता है/होतो है तो कठोरकर के वायपर से उसे भूर्ता के भागमें के रूप में वायूल वारने या ऐसी भूगतानी को वायूली के लिये प्राप्त किनी विविधि कि गतीन वारने का भूर्ता अधिकारा होगा।

(५) यदि अनुसूची में विवरण भूमि पर गोई राजकारी देख/अर्थ/प्रिमेयम भूर्ता भूमि द्वारा देख है या विनी विवित राज्यालय विवरण भूमि वंडे के लिये वायपर है तो राज्य समाजीकरण की भूल भूमि मूल्य की भूगतानी से कटौती करके शेष भूगतानी का भूगतान भूर्ता भूमि द्वारा देख हो।

(६) कथ निकाय भूर्ता भूमि के वायपर वायपरित इस सामाजिक भूमि के अनुपोदन के उपरान्त आवश्यक विवरण विवेख का विवरण दिया जायेगा। विवरण एकीकरण/विवरण राज्यालय समाजीकरण भूल्य जिसमें स्थाप शुल्क भी सम्प्रिलिपि है को कथ निकाय द्वारा देख यहां किया जाएगा।

(७) विवरण विवरण के विवरण पर ही सामाजिक भूर्ता भूमि वंडे विवरण भूमि-१ में विवरण भूमि का व्यापित्व भूर्ता भूमि में नहीं है।



प्रधानीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग  
आजमगढ़

(विश्ववित राय)  
उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी  
उत्तर प्रदेश एवं संघरेतदेश अधिकारी  
विकास प्राधिकरण (यूपी)

मूर्खामी/मूर्खामियों के बीच वो प्रयोगों के लिए साधीते हारा मुख्य काम किये जाते हैं तथा निष्ठा किया जाते हैं।

यह समझीत पत्र जाज विभाग १११०<sup>वाले</sup> २०१ थे जिन मूर्खामी/मूर्खामियों जो सापेता का/के पूर्ण रूप हैं/हैं जिन्होंने आगे ले लिया है और निष्ठानिष्ठा अर्थों में एतत्वारा गणित किया गया है अर्थात्-

(१) राम[११] पत्र श्री रामशक्ति अंश १२

(२) राम[११] पत्र श्री रामशक्ति अंश १२ (काटा)

(३) पत्र श्री अंश

प्रथम पत्र (१) एतत्वारा मूर्खामी कहा गया है) और,

पारत संस्कार के सदृष्टि/पारत संस्कार के पार्थ्य से कार्य कर रहे (कथ विकाय का नाम)

हितीय पत्र (२) एतत्वारा "कथ विकाय" कहा गया है) के पार्थ्य एतदगुरार हरतालित / निष्ठानिष्ठा किया गया है।

यूकि उत्तिविति एतत्वारा गुण के बाहें देख दर रात्ता कुल गूढ़ी गूचा पर राहगत है/है जिरका विवरण अनुसूची में दिया गया है। और यूकि गूढ़ी अमोत्तर राहगत है/है कि अनुसूची में वर्णित गूढ़द्वय कोई भाव या गूढ़द्वय विरकी चीज़ से रात्ता रूप से सम्बन्ध रात्ती रूप विकाय के पूर्ण अनुमोदन से गापा ली जा सकती।

अतएव अब गूढ़मी और कथ विकाय से एतत्वारा-निष्ठा प्रकार सहगत होता है होते हैं।

(१) यह कि यह निष्ठा इस समझीता पत्र के विषयदान की विषयी तो अधिकतम १२ गाह के भीतर अनिवार्य अर्जम के विवा कार्यवाही करने से रात्ता होगा।

(२) यह कि यह कथ विकाय गुण का पुरात वाक्य देना आवश्यक राहगता है तो गह/वे ऐसा करने का हकदार होगा/होंगे, मगे ही इस पर फराल लड़ी ही परन्तु गह कि अनुसूची में वर्णित दर और बुल गूढ़ी पूर्व्य का भुगतान कर दिया हो।

(३) यह कि यह कुल गूढ़ी गूचा के परशात गह पकड़ होता है कि गूढ़वामी इस साड़ीता पत्र के कम में निष्ठानिष्ठा विकाय विलेख के अनुसार प्रतिकृति के बायर्ण धनराशी का/को अप्याय रूप से हकदार नहीं है/है, और कथ विकाय के ओर से विरकी अन्य व्यक्तियों की किरी प्रति इस गूढ़द्वय करने की अपेक्षा यही जाती है तो गूढ़वामी हारा ऐसी धनराशी जो कथ विकाय द्वारा अवश्यकित जाय गांग है। जापे पर धापरा कर देगा तीरं विकी अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा किरी देये गा प्रतिकर या उत्तरके बाग के विकाय कथ विकाय/विकाय सम्बन्ध को (युक्तिवाली और पृथक्ता) अतिपारी गी करेंगा और उत्तराशी गदी विरकी गी साति या अनुग्रहान की रात्ती का धनराशी। और दिल्लियों के विकाय होंगे। इनको भुगता हैं परंतु कथ विकाय द्वारा उपगत निष्ठा प्रकार या व्यक्ति की पर्याय गह के ११ से १२ परिशत्ता के दर पर और परशाल तीनी वर्षों के लिए १३ परिशत्ता की दर पर आज भुगतान करेगा/करेगी।

(४) यदि गूढ़वामी फुकिवी दौरा में उत्तिविति धनराशी कथ विकाय को धापरा करने से अराकल रहता है/रहती है तो कठोकटर के पार्थ्य से उत्तर गूढ़द्वय के बाये के रूप में बगूल बतने या ऐसी धनराशी को वसूली के लिये प्रयुक्त किरी विविध कि अधीन कार्यवाही जाते हैं। अमोत्तर होने का गूढ़ा अविकार होगा।

(५) यदि अनुसूची में वर्णित गूढ़ी पर गोई धनराशी देख/जाय/निष्ठा-पत्र के विकाय विलेख के विषयदान के विकाय जायेगा।

(६) कथ विकाय के विषयदान के विभाग पर ही सम्बन्धित गूढ़वामी जो अनुसूची-१ में वर्णित गूढ़ी का कल्पा कथ विकाय द्वारा प्राप्त होने विषय है।

(७) विकाय विकाय के विषयदान के विभाग पर ही सम्बन्धित गूढ़वामी जो अनुसूची-१ में वर्णित गूढ़ी का कल्पा कथ विकाय द्वारा प्राप्त होने विषय है।

(८) कथ विकाय द्वारा निष्ठानिष्ठा आवार्यों पर इस समझीता पत्र को गूढ़वामी को १५ दिन का नोटिस देकर निरस्त किया जा सकता।

(९) यदि गूढ़वामी ने रात्ता रात्ता पत्र को काप्त पूर्ण छाता करके सम्पदित कराया है।

(१०) यदि गूढ़वामी के द्वाय समझीता पत्र के किरी शर्त का उल्लंघन किया जाता है।

(११) यदि इस गूढ़द्वय पत्र के विषयदान वे उपरान्त गह प्रकाट होता है कि अनुसूची-१ में वर्णित गूढ़ी का रायगत्य गूढ़वामी में नहीं है।

## २१२१ नं।

  
प्रभगोपल अधिकारी  
प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग  
आजमगढ़

१  
(विश्वनीत राय)  
उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी  
उत्तर प्रदेश एकसप्रेसवेज औद्योगिक  
दिक्कास प्रधिकरण (यूपीडा)

भूत्यापी/भूमि के लिए निकाय के गीत वो प्रयोगों के लिए समझीत हाँप मूर्मि का किये जाने देख उपाधित किया जाने वाला सम्बन्ध है।

यह समझीत पत्र आज दिनांक 09/10/2017 वो विन मूर्यापी/भूत्यापी जो सापति का/के पूर्ण रूप है/है विरो आगे ले लिया जिता गया है औ निष्पत्ति अशो भूत्यापी एतद्वारा घण्ठित किया गया है अर्थात्

(1) भूत्यापी भूत्यापी गीत १३

(2) राजा भूत्यापी गीत १३

(3) इन्द्रल भूत्यापी गीत १३

प्रथम पत्र( १) एतद्वारा भूत्यापी कहा गया है) गीत  
भारत राज्यकार के सम्पुर्णी / भारत राज्यकार के मास्त्रप रो कार्य कर रहे .....(क्य निकाय का नाम)  
हितीय पद्धा (१) से एतद्वारा "क्य निकाय" कहा गया है) के मध्य एवं दुनिया उत्तराधित / निष्पादित किया गया है।  
मैंके उल्लिखित। प्रथम पत्र मूर्मि तो सापेक्ष दैय दर तात्पुरा युल मूर्मि पूर्ण पर साठात है/ै निरक्षा निवरण अनुसूची में दिया गया है,  
और मैंके भूत्यापी अपेक्षा राज्यकार है/है। कि अनुसूची में घण्ठित भूत्यापी कोई बात या भूत्यापी निरक्षा भी जो रूप रो सम्बद्ध  
राजी वार्ता का निकाय लें पूर्ण अनुपोदन से गारा ही जा सकती।  
गतएव अब भूत्यापी और क्य निकाय से एतद्वारा निष्पादित प्रकार राहगत होता है होते हैं।

(1) यह कि न हो क्य निकाय भूत्यापी की निष्पादन की शिथि रो अधिकाराम् गारा के गीतर अनिवार्य अर्जन के विना कार्यकारी  
करने से साध्य नहीं।

(2) यह कि न हो क्य निकाय भूत्यापी का भूत्यापी का दृष्टिकोण होगा/होने,  
गम्भीर ही इस फलात लड़ी मुख्यत्वा यह कि अनुसूची में घण्ठित "दर और बुल मूर्मि मूर्मि" का भूत्यापी कर दिया हो।

(3) यह कि न हो क्य निकाय भूत्यापी के पश्चात्त गठ प्रवाट होता है कि भूत्यापी इस सांत्विता पत्र वो कम में निष्पादित विकाय विलेख के  
आनुसार प्रति १ के भूत्यापी भूत्यापी का / के अन्यथा रूप से हकदार नहीं है/है, और क्य निकाय के ओर रो निरक्षी अन्य व्यवित  
को किसी प्रक्रिया का भूत्यापी करने की अपेक्षा नहीं जाती है तो भूत्यापी द्वारा ऐसी धनराशी, जो क्य निकाय द्वारा अवशिष्ट की  
जाय गम्भीर हो जाये पर वापस पर दैगा और किसी अन्य व्यवित/व्यापारों द्वारा किसी दावे या प्रतिकर या उत्तरके भाग के  
निष्पादित क्य निकाय/वाय सम्भार को (भूत्यापी और पृथक्कर्ता) भूत्यापी भूत्यापी निरक्षी गी हाति या भूत्यापी नी  
राजी करवाए।। और अनिवार्य के विन करने / राजी कुप्रापा।। यारण युगताने देव यारण युगताने देव उपगत निरी प्रकार या व्यव वो  
गम्भीर धनराशी ।। उपरी / धनराशी भूत्यापी के कारण क्षमा निकाय द्वारा उपगत किसी लागत प्राप्त या व्यव वो गम्भीर  
पश्चात्त वर्ष के १०० १०० प्रतीता के दृष्टि पर और पश्चात्त रूपी वर्षों के तिए १५ अधिकारा की एवं पर व्याज भूत्यापी करेगा/करेंगे।

(4) यदि भूत्यापी पूर्णता विविती वैय ए उल्लिखित धनराशी क्य निकाय को वापस करने से असाकल रहता है/ रहते हैं तो करोकर के  
गम्भीर से उपरी भूत्यापी के कारणों के दृष्टि पर यारुल करने या ऐसी धनराशी को यस्ती के तिए भूत्यापी किसी विधि कि अधीन  
कार्यकारी करने का / अपेक्षा दैगा का भूत्यापी अविकाय होगा।

(5) यदि अनुसूची में घण्ठित भूत्यापी पर लोई राज्यकारी दैय/अर्जन/ प्रिमियम भूत्यापी द्वारा वैय है या निरक्षी वित्तिय सरका का अन्य  
पश्चात्त भूत्यापी वैय है तो तंत्रा धनराशी जो युल भूत्यापी की धनराशी से कटौती करके दैय धनराशी का भूत्यापी भूत्यापी

(6) क्य निकाय और भूत्यापी के गम्भीर निष्पादित द्वारा राज्यकारी पत्र के अनुपोदन के उपरान्त अवश्यक विक्य विलेख का निष्पादन  
निष्पादन जायेगा नियन्त्रण प्रक्रिया/विविती सम्भवी राज्यकारी शुल्क जिसमें स्थापा शुल्क भी सम्भिष्ट है को क्य निकाय द्वारा याय  
याहु निष्पादन होगा।

(7) विक्य निष्पादन के नियन्त्रण पर ही सम्भिष्ट भूत्यापी जो अनुसूची-१ में घण्ठित भूत्यापी का काला क्य निकाय द्वारा प्राप्त  
विना जायेगा।

(8) क्य निकाय द्वारा निष्पादित अधिकारा आदाने पर इसे राज्यकारी पत्र को भूत्यापी को १५ दिन का नोटिस देकर निरस्त नियन्त्रण जा  
रानेगा।

(1) यदि भूत्यापी वे राज्यकारी पत्र को काला पूर्ण देहां करके सम्पदित गंराया है।

(2) यदि भूत्यापी के दाय समझीती पत्र के किसी शर्त का उल्लंघन विना जाता है।

(3) यदि इस भूत्यापी पत्र के निष्पादन के उपरान्त भूत्यापी के अनुसूची-१ में घण्ठित भूत्यापी का व्यापित्य भूत्यापी में नहीं  
है।

१२/२१०

प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग  
आजमगढ़

(विश्वजीत राय)  
उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी  
उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक  
विकास प्राधिकरण (यूपीडी)

करवायी/मरा दियो जी का निमाय के बीच रोक ग्रामेश्वरों के लिए सपष्टीत होना पूरि तरह किये जाने हेतु उपायिक किया जाते रहता आपको। प्रदृढ़।

यह समझौता यत्र आज दिनांक 8/9/17 वर्ष 2017 को शिवाजीनगर/गुरुगण्डेले जो रापति का/के पूर्ण स्थानी है/हैं विरो आगे तीस संस्कृत किया गया है और नियन्त्रित अर्थों में एतद्वारा योग्यता किया गया है अधिकत:

କିମ୍ବା ପ୍ରକାଶ କାନ୍ତିକାନ୍ତ ଅଂଶ ୧୫

(2) १२७७८ पंजाबी तप्ति गांधी ४५

(1) ପ୍ରାଚୀ ପ୍ରାଚୀ ଶୁଦ୍ଧି ଶୁଦ୍ଧି ଅଶ ଅଶ ୫୦

प्रथम पक्ष (१०) एतदुपायानि पूर्वगामिकं कहा गया है। अलीकुलाह ७५४७  
 पारारा रास्कार ऐसाध्यानी १० पारा रास्कार के गाल्लूप रो यारो कर रहे ७५४७ ७४ (कथा निकाय का नाम)  
 द्वितीय पक्ष (११) ये एतदुपायानि "कथा निकाय" कहा गया है। वे मध्य एतारुलाहार हरराशिरि / निषादिति किया गया है।  
 धैर्य के उत्तिलारि । यशामाल गूणि के साथेका दैय दर राणि कूल गूणि गृह्णा पर साहात ऐ ॥ ११ ॥ जिराका तिवरण अनुरूपी में दिया गया है।  
 और धैर्य के गूणि मी अपोतार राहगत है। है। कि अनुरूपी ने धैर्यत मूर्खद लोई बाट था मूर्खद गिरी चीज रो स्थानी रूप रो सम्बद्ध  
 राणी बाटे कथा निकाय लो पूर्व अनुरूपेदन से वापारा लो जा राको।

भतेर अब पूरी तौर कथ्य निकाय से एतत्पुराता-पैन प्रकार राहगत होता है होते हैं।  
 (1) यह कि क। निकाय इस समझौता प्रकार की विषयादान की विधि या अधिकाता 12 ग्राम के भीतर अनिवार्य अर्जन के तिथा कार्यवाही करने पर सम्मान होता।

(2) यह फ़िर ही क्या शिवाय गूणि का सुरक्षा बल्जा लेना आवश्यक समझता है तो गह/ वे ऐसा करने का हकदार होगा/ होंगे। पने ही इस पर फरल थरी ही परन्तु यह कि अनुसूची में वर्णित "दर-और युल ग्रैप्पल प्ल्ट्य" का भगतान कर दिया हो।

(3) यह कि **मार्क** कल शृंग मुख्य के पश्चात गढ़ प्रकट होता है कि दूसरी इस सांविता पत्र के काग में शिष्यादित शिक्षण वित्तेख व अन्याय एवं अपराध के बारे में जानकारी दी जाती है।

गुरुसार प्रतीकों के गायपूर्ण धराशी का / के अस्थियों रूप से हकदार नहीं है / है, वही कथा गिकाय के ओर से विरी आश्च व्यक्ति को विजी प्रिय एवं उपाधि देती है।

जो किसी प्रतिवर्त को मुकाबला करने की अपेक्षा यही जाती है तो गूढ़वारी द्वारा ऐसी धनराशी, जो कथं भिकाय द्वारा आवधारित की जाय पांग दिए जाने पर वापस वार देगा और किंतु आच्य घटित/व्यक्तियों द्वारा किरी दाने गा प्रतिवर्त या उसके भाग के निम्नलिखित विवरण/सम्बन्ध सम्भाल को (स्थिति और पृथक्कर्ता) संतुष्टि भी करेगा और दूसरी गयी विरी भी सुनि गा नमस्त्रिय वर्ती

राणी कांगड़ा॥१॥ और दायितों के विरुद्ध उग्र / जिनको मुगताना के पारण कर्य निकाय द्वारा उपाय लियी प्रकार ये व्यय दो गयी धनराशी ॥ उसे / जिनको मुगताना के कारण कर्य निकाय द्वारा उपाय लियी तागत प्राप्त या यथा यही धनराशी प्रभाव वर्त के ॥ तो १५ प्रतिशत के दर पर और पश्चात तीन वर्षों के लिए १५ प्रतिशत की दर पर आज मुगतान करेगा/करेगे ।  
 (4) यदि मुगतान पुरुषिती पैरा मे उत्तिरिक्त धनराशी कर्य निकाय को वापस बत्रे मे अपाय दरवाप है / तब वे दोनों दरों के

(4) यहाँ अन्यथा से अलगत अपनी रूप से एक विशेष विधि है।

(5) याद अनुरूपा ये व्यापक गृहि पर योड़ी रारकाशी देख/अर्थ/ प्रियगियम मूस्तामी हासा देख है या विहरी विहितिय सरस्था का ऋण व्यापक गृहि की दिक्कत बनाया है तो उसा भवनशाशी को कुलं गृहि मुख्यं वी धनराशी से कटौती करके शेष धनराशी का भागातान् भूर्य मी ये किया जायेगा।

(6) कथ्य निवापन और गृहांशी के पार्श्व हरराष्ट्रीयता इस संगड़ीता पत्र के अनुमोदन के उपरान्त आवश्यक विकाय खिलेख का निपादन हिस्सा जारीगा। नियामक/प्रतीकारण/नियंत्रण संघर्ष शुल्क जिसमें स्थापन शुल्क भी सम्भिति है को कथ्य निकाय द्वारा व्यापक रूप से लाए जाएगा।

(7) विकाय विलोप के निपादन के त्रितीय पर ही समस्त गूर्खांगी रो अनुसूची-1 में घण्टा रूपि का कल्पा कर निकाय द्वारा प्राप्त विना जायेगा।

(८) क्य निवास द्वारा निष्ठिपूर्त आधारे पर उस संग्रहीत पत्र को भूर्यागी को १५ दिन का नोटिस देकर निरस्त किया जाएगा।

(1) यदें भूरगांडे ने रामायीता पत्र की कप्र पुर्ण गाहा करके सम्पदित घोराया है।  
 (2) यदि भूरगांडे के द्वास सप्तवीता पत्र के किसी शर्त का उल्लंघन पिया जाया है।

(3) यदि इस राजौता पर्याप्त को गिरणादन के उपरान्त अट प्रकट होता है कि अनुसूची-1में वर्णित मूलि का रकागित्य भूखाली में नहीं है।



..... ੧੯੧੧) ..... ਅਤੇ ਕਿਸ ਪ੍ਰਯਾਪੀ/ਪ੍ਰਤਾਪਿਣੀ ਲੋ ਸਾਡੇ ਭਾ/ਤੇ ਪੂਰੀ ਆਪੀ ਹੈ/ਹੈ ਵਿਖੀ ਆਪੀ ਹੈ/ਹੈ ਜਿਸ ਵਿਖੀ ਅਥੀ ਮੈਂ ਪ੍ਰਤਵਾਦਾ ਗਿਰੀਤ ਸਿੰਘ ਕਹਾ ਹੈ ਜਾਂਚ

Interior अन्तरीक्ष लाइफस्टाइल विज़ा ब्रॉडबैंड

प्राणी प्राणी (जो एक जीवनशाली वस्तु है) का यह ही असर;

भारत सरकार में रखा जाता है। भारत सरकार के मालिक रो पार्टी कर रहे हैं। (कथ निकाय का गांग)

द्वितीय पक्ष (II) ने एवं दायरा के "कम निवार्य" कहा भए हैं) के गत्य एवं दग्धुरार उत्तराधिकार / निष्पादित किया गया है।

चूंकि उत्तिष्ठान का प्रयोग गुणी के लाभों देख यह राशी कुल गुणी यूनिस पर सहजत है। इसे गिराका विवरण अनुपूर्णी में दिया गया है, और चूंकि गुणी व्योम राशी का है। इसे अनुपूर्णी में व्यष्टि, भृशद कोई बात या भृशद गिरी चीज़ रो रपायी रुग्न रो सम्बद्ध सभी कार्य का विकास करने के लिए अप्रोत्यग से वरपाए जी राके।

अत्र एवं अब पुराणों और वार्षिक निकाय से एतत्पूर्वा त्रिमि प्रकाश साहमत होता है क्षेत्रे १५

(1) यह कि वा विद्युत हम सामग्री हम ग्रन्थ के विषय दर्शी विभिन्न विधिक संस्कृत 12 माह के भीतर अनिवार्य अर्जन को वित्त कार्यवाही करने में सहाय रहेगा।

(2) यह किंतु नहीं क्योंकि उसमें भूमि का प्रत्यक्ष वर्णन लेना, आवश्यक रामेश्वरा है तो गह / वे ऐसा करने का संकेतार होगा / होगे, परन्तु ही इस पर प्रभाव नहीं पड़े। प्रत्यक्ष यह कि „अनुसृती गे वर्णिते“ दर और बुल भूमि मूल्य“ का भुगतान कर दिया हो।

(3) यह कि मात्र कुनौने पुरुष की प्रशंसा का नाम प्रवर्द्ध होता है कि गृह्यांशी इस सांकेतिक पंक्ति के काम में शिखादित विकास विरोध के अनुसार प्रति उनकी जापानी धनियां आया रुप से हवान्दार नहीं हैं/हैं, और कथा शिकाय के ओर रो विरती अन्य व्यक्तियों को विकास प्रदित् एवं गृह्यांशी गर्व की अपेक्षा नहीं जाती है तो गृह्यांशी हाया ऐसी धनियां जो कथा शिकाय द्वारा अंगोष्ठीत की जाय गए हैं जाये पर यापन गर देखा और कि भी अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा विरती दाये गा प्रतिवर्त था उसके बाय के लिये उनके लिये व्यक्ति का विवरण दिया गया है।

प्रियदर्श कथा । इसका समाप्ति को (प्रियुष और पृथक्कान) क्षेत्रिकीं भी करेंगे और उत्तरीयी मध्यी जी आणि या नवाचारन की रुही के बाबी । और अधिकारी के विषय हैं । एको पुगताने के कारण क्या लिकाय द्वारा उपगत किसी प्रकार का व्यय की परी धगराई । इसे । उत्तरी पुगताने के कारण क्या लिकाय द्वारा उपगत किसी तापत प्रभाव या व्यय की परी धगराई प्रयत्न के । १३० परीका दें दूर पर और पश्चात तीन बैठों के लिए । १३० प्रतिशत की दर पर आज पुगताने करेगा । करेगे ।

(4) यदि पूरक वृक्षकी ऐसा है जिसके द्वारा शी को विकास करने में असफल रहता है / रहती है तो कोहेकटर के प्रयोग से उस वृक्षकी के शास्त्री को इसे विकास करने या ऐसी धाराशी को वंचित के लिये प्रयुक्त विक्री विधि कि आवी।

(६) गोदे अनुसार न के विपक्ष भवि पर गोड़ रखायी देख/गंध/ प्रिमियम मूल्यांकी हारा देख है या विली विस्तिय रासाय या जान विक गयि है ऐसे अनुसारा है जो दोनों भवित्वांको गुरुत्व भवि मूल्य की धारांकी से कठीनी करके दोनों भवित्वांको गुरुत्व भवि देखता है।

(c) कथा निवास और जीवनी के बाह्य सम्बन्धित इस सांकेतिक पंच के अनुपीड़न को उपरान्त आवश्यक विकाय विलेख का विपादन नियम जारी रखना। विविध सांकेति संस्कृत शुद्धि जिसमें स्थापन शुद्धि भी सम्भित है को कथा विकाय होता चला जाएगा।

(7) विकाय निकाय के विभिन्न वर्गों में सम्बन्धित गृहस्थांगी रो अनुसूची-1 में संशित गृहि का कल्पा एवं निकाय द्वारा प्राप्त विवरण जारीपाण।

(v) कंग निकाल देने विलासित आमारे पर उसे संपूर्णता पर को मूर्खामी को 15 दिन का गोदिया ऐकार निरसने किया जा सकता है।

(1) यदि भूरकामे ने राष्ट्रपति पद को छोड़ दिया है तो करके सम्पन्न करना चाहिए।  
 (2) यदि भूरकामे ने राष्ट्रपति पद को छोड़ दिया है तो उसकी पार्श्व का उल्लंघन विषय जाता है।  
 (3) यदि इस राष्ट्रपति पद के विवादों में उत्तरांश घट प्रवर्क होता है कि अनुसन्धान विषय का उत्तरांश भवतावृत्ति नहीं

गोदान राज

四

प्रभागीय निवेशव

## सामाजिक वानिकी प्रभाग

ଓঞ্জন

(विश्वजीत राय)

उप मुख्य कायपालक अधिकारी

## उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक

विकास प्राधिकरण (यूपीडा)

નું સમાચાર કરતું હોય કે 9/9/2012 ની 2012 એ મિશન પૂરવારી/પુરવારીયે જો સાલાહ કર/કરે પૂર્ણ રૂપી હૈ/હોય આપે છે। એ સાલાહ કરે વિદ્યાર્થીનું અંશો ને પૃથ્વીના ગર્ભિત નિર્મિત ગ્રામીણ ગામ્યુનિયન હૈ/હોય

१०	हीराप	पुरा की	जागती	भंग	५५
११	कम्बाप	पुरा की	जागती	भंश	५५
१२	खेडाप	पुरा की	जागती	भंश	५५
१३	लालाल	पुरा की	जागती	भंश	५५

प्रथम पक्ष (१) एस्टार्टर्स विमान विमायी गला पाया है और  
गारता संस्कार में शामुखी / भासा संस्कार के मालिक से कार्रा कर रहे ..... (क्य निकाय वा जाग)  
द्वितीय पक्ष (२) मेरा एस्टार्टर्स विमायी "विमायी" कहा पाया है तो मैंने एस्टार्टर्स उत्तराप्रिया / विमायी किंवा पाया है।  
तृतीय पक्ष (३) मेरा एस्टार्टर्स विमायी विमायी गला पर साहगत है / है जिराका विवरण अनुरूपी में दिया गया है,  
और चूंकि भूमि मी अपेक्षा साहगत है / है कि अनुरूपी में फूर्णित मृश्वद्व वोई बात या गूबद्व जिरी चीज से रणायी रथ से सम्बद्ध  
राहीं क्या विकाय तो पूर्व अभ्युगोदय से बाहर ली जा सकती।  
गत एवं अब मूर मी और विमायी विमायी का प्रकार साहगत होता है होते हैं।

(१) यह कि मेरा विमायी हम विमायी में पाया है जिरा है।

- (1) यह किंतु काम नियम भूमि को प्रयोग करना है ताकि उसकी उपलब्धता बढ़ावा देता है।

(2) यह किंतु काम नियम भूमि को प्रयोग करना है तो यह / वे ऐसा करने का एकदार होया / होये, जिसे ऐसा करने का एकदार होया / होये।

(3) यह किंतु काम नियम को प्रयोग करना होता है कि अनुसूची में चौथे "दूर और बुल पूर्ण मूल्य" का युग्मतात्व कर दिया हो।

(4) यह किंतु काम नियम को प्रयोग करना होता है कि अनुसूची इस संगठनी पत्र को कग में नियादित विकाय विलेख के अनुसार प्रसिद्ध की गयी अन्यथा प्राप्त करना होता है / है, और करा विकाय के और ये विली अन्य व्यक्ति को किसी प्रसिद्ध या अनुसूची करने की अनुमति देता होता है तो युवधांशी द्वारा ऐसी धनराशी, जो कग विषय विषय द्वारा जागमारित थी जाय गए थे। जाने पाए गए विषय एवं विली अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा विली दाते गे प्रतिवर्त या उसके भाग के विषय क्या हैं? विषय/विवर संग्रह को (संग्रही और पृष्ठकाटा) विषयांत्रित भी करेंग और उत्तरांत्रित विली भी दाती या धनराशी की रूपी कामना, या और किसी के विषय उसे / जिसको युग्मता है विषय क्या? विषय द्वारा उपलब्ध किसी भवजर या व्यव द्वारा प्रयोग की गयी धनराशी। उसके उपलब्धताने को कारणक क्य विकाय द्वारा उपलब्ध किसी लागत प्राप्त या लाय ये विली धनराशी प्रयोग करने के दौरे पर प्रतिवर्त ये दाते होते हैं।

(5) यदि युवधांशी पूर्वविली देता है तो उत्तिवित धनराशी क्य विकाय को वापसा करने में अराफल रहता है / रहती है तो कठोकार के विषय से लाए धनराशी के लाये के दौरे पर यापूर्ण विली देता है एसी धनराशी को विली के विषय प्राप्त विली विषय के विषय देता है।

(6) यदि अन्यथा ये विली भूमि पर योई धनराशी देता है/ वर्ग/ विषयांप मूल्यांशी द्वारा देता है या विली विस्तिय धनराशी का वापस यापि दौरे पर यापूर्ण धनराशी है तो दाता धनराशी को कुल भूमि मूल्य की धनराशी से कटीया करके देव धनराशी का युग्मता प्रयोग करने की विषय दायेगा।

(7) क्य विषय की विषयांप के विषय विषयांपित द्वारा राजांशी पत्र के अनुपोदय के उपरान्त आवश्यक विकाय विलेख का विषयांप विषय जायेगा ताकि काम काम/विषयांप विषयांप राजांशी स्पस्त शुल्क जिसमें स्तापा शुल्क नी विषयांपित है को क्य विकाय द्वारा व्यव यापि दौरे पर विषय जायेगा।

(8) विषय विषयांप के विषयांप के दौरे ही राजांशी भूम्यांशी ये अनुसूची-1 में विषय भूमि को कल्पा क्य विकाय द्वारा प्राप्त विषय जायेगा।

(9) क्य विकाय द्वारा विषयांपित आपाने पर इस राजांशी पत्र को भूम्यांशी को 15 दिन का विषय देकर विषयांप विषय जायेगा।

(10) यदि युवधांशी ने राजांशी पत्र को क्यवा पूर्ण छोड़ा करके विषयांपित विषय जायेगा।

(11) यदि युवधांशी ने दाता संपत्ती पत्र को विली वापि का उल्लंघन विषय जायेगा।

(12) यदि इस विषयांप के विषयांप में उपरान्त वह प्रवर्त होता है कि अनुसूची- 1 में विषय भूमि का विषयांपित भूम्यांशी में जाए।

२१८

ରେବାନା/୧



# प्रभागीय निदेशक सामाजिक धारनिकी प्रभाग आजमगढ़

(१) दिशनीत राय  
उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी  
उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक  
विकास प्राधिकरण (यूपोडा)

8/9/17 2017 गो निज गूरवारी/प्रस्तुतियों ले सम्पादित का/के मूर्ति लायी हैं/।  
इन्हें साथे एक विशेषज्ञता अर्थी भी सहयोगारा गणित नियम देखा है गणित

1	ବୀରମାଳ	ବୀରମାଳ	ବୀରମାଳ	Y4
2	କର୍ଣ୍ଣାଧ	କର୍ଣ୍ଣାଧ	କର୍ଣ୍ଣାଧ	Y4
3	ମହାରାଜ	ମହାରାଜ	ମହାରାଜ	Y4

(१) यह किस दिन हम आपातका पत्र के लिए दर्शन की अधिकारियां १२ बार के भीतर अनिवार्य अर्जम के लिए कार्यवाही करती हैं।



ବ୍ୟାକ ଲାଖ

- (१) शुलाप
  - (२) इघोर
  - (३) इघोर



## सामाजिक वानिकी प्रभाषण

आजमण्ड

  
विश्वर्जीत राय  
दृष्टिकोण कार्यपालक अधिकारी  
दृष्टिकोण प्रबोधन एवं सम्प्रेसण औद्योगिक  
विकास प्राधिकरण (दूसीड़ी)



मूर्खामी/मूर्खामी के साथ जीव योग प्रयोगों के लिए सामान्यतः हाँ। मूर्ख नाम विद्या ज्ञानी हेतु गणानन्द किया जाता गया। जापानी भौतिकी।

यह समझौता पत्र आज विवाह 8/9/2017 को विजय मूर्खामी/मूर्खामियों जो जापानी का/के पूर्ण स्वामी हैं/हैं विरो आगे नी संस्था निष्ठा योग है और निष्ठानिरित अशों में एतत्वद्वारा वर्णित किया गया है अर्थात्:

(1) श्रीमति श्री तात्त्वज्ञ अंश ५५

(2) श्रीमति श्री तात्त्वज्ञ अंश ५५

(3) श्रीमति श्री तात्त्वज्ञ अंश ५५

प्रथम पद्धति (1) समाजकार मूर्खामी कहा जाता है। अंश ५५  
भारत रास्तकार में समाजकार/भारत रास्तकार के माध्यम से कार्य कर रहे। (क्य निकाय या ज्ञान)  
द्वितीय पद्धति (2) एतत्वद्वारा "क्य निकाय" कहा जाया है। को गत्य एतदुन्नासर हरसाक्षरित / निष्ठानिरित किया जाया है।  
तृतीय पद्धति (3) एतत्वद्वारा मूर्खों के जापेन दैर दर तथा युल मूर्खों युला पर सामान्य है।/ है। जिराका विषयन अनुसूची में दिया गया है। और यूकि गूर्खा भी अधीकर राहगत है।/ है। कि अनुसूची में वर्णित गूर्खद्वारा योई बात या भूवद्व विनाई चीज रो रखायी रूप से राम्भर जाती जाती थाया निकायों को पूर्व अनुसूचन से बाहर ली जा सकती।

अतएव अब गूर्खामी श्री एतत्वद्वारा निष्ठा निकाय योग्यता होता है होते हैं।

(1) यह कि यह निकाय इस समाजीता पत्र के विषय दिन तीन विभिन्न रो अधिकाराओं गाँव के भीतर अनिवार्य अर्जन के बिना कार्यवाही करने से राहगत नीता।

(2) यह कि यह कि यह निकाय गूर्खों का गूर्खता बजाना आवश्यक राम्भाना है तो गूर्ख/ वे ऐसा करने का हंकदार होगा/ होंगे, यदि यह इस पत्र कराना भी नारन्तर यह कि अनुसूची में वर्णित दर और युल मूर्ख-मूल्य" का गूर्खता गूर्ख कर दिया हो।

(3) यह कि यह कि यह निकाय गूर्खों के विषय गाँव प्रकार होता है कि गूर्खामी इस समाजीता पत्र के काग में निष्ठानिरित विकाय विलेख के अनुसार प्रतिक्रिया के जापानी धनराशी का/ के अन्याय रूप से हकदार नहीं है।/ है। और क्य निकाय के ओर भी विनाई अन्य व्यक्ति को किसी प्रतिक्रिया का गूर्खान करने की अपेक्षा नहीं जाती है तो गूर्खामी द्वारा ऐसी धनराशी, जो क्य निकाय द्वारा अवधारित की जाय गायी है। जाने पर काम्य पर देगा और कि यह अन्य व्यक्ति/ व्यक्तियों द्वारा किसी दावे या ग्राहक या उसके भाग को निष्ठानिरित विकाय/ विकाय समाज को (गूर्खामी और पृथक्कर) विष्टिती भी करेंगे और उदायी पर्यायी किसी भी सभी या नगरान की राहगत करना।।। और धनराशी के विलेख दूर्लभ / जिसको गूर्खता के कारण क्य निकाय द्वारा उपयोग किसी प्रकार या व्यक्ति को गूर्खी धनराशी।।। उसी / उसको गूर्खामी के कारण क्य निकाय द्वारा उपयोग किसी लागता प्राप्ति या व्यय की गयी धनराशी पर प्रश्न गर्व के लिए १० प्रतिशत के दर पर और प्रश्नपत्र तीव्र वर्णों के लिए १५ प्रतिशत की दर पर गूर्खता गूर्खता करेगा/ करेंगे।

(4) यदि गूर्खामी पूर्खीती वैषा ये तत्त्वानिरित धनराशी क्य निकाय को वापस करने से अताकल रहता है।/ रहते हैं तो कठोरकर के गाँव से उसे गूर्खकर के बाहरे के दूर से बगूल बाहरे या ऐसी धनराशी को बगूली के लिये गूर्खता किसी विधि कि अधीन कार्यवाही करने का गूर्ख अधिकार होगा।

(5) यदि अनुसूची में वर्णित गूर्ख पर गूर्ख रास्तकारी दैर्घ्य/अर्थ/ प्रियेयम् गूर्खामी द्वारा देय है या विनाई विस्तृत सारणी या ज्ञान वाक्तव्य गूर्खी के दृष्ट व्यक्तिया है तो यह भास्त्राशी को युल गूर्ख मुख्य की धनराशी से कटौती करके योग धनराशी का भास्त्रान गूर्ख यही किया जायेगा।

(6) क्य निकाय और गूर्खामी के गत्य उपयोगित इस समाजीता पत्र के अनुसूचन के उपरान्त आवश्यक विकाय विलेख का निष्ठान निष्ठा जायेगा निकाय पृथक्कर/ विकाय सामग्री संस्कृत युल्का जिसमें स्त्राय शुल्क भी विस्तृत है को क्य निकाय द्वारा व्यय गाँव किया जायेगा।।।

(7) विकाय निकाय के विषयादेव के विनायक पर ही समाजित गूर्खामी या अनुसूची-१ में वर्णित गूर्खी का कल्पा क्य निकाय द्वारा प्राप्त विषय जायेगा।।।

(8) क्य निकाय द्वारा विस्तृत विस्तृत आवानों पर इस समाजीता पत्र को गूर्खामी को १५ दिन का नीतिरा देकर निरस्ते किया जा सकता।।।

(1) यदि गूर्खामी ने समाजीता पत्र को कायर पूर्ण ठारहा करके समादित कराया है।

(2) यदि गूर्खामी के द्वारा समाजीता पत्र को किसी गर्व का उल्लंघन किया जाता है।।।

(3) यदि इस समाजीता पत्र के विषयादेव ने उपरान्त गह प्रकार होता है कि अनुसूची-१ में वर्णित गूर्खी का रणनीतिय गूर्खामी में नहीं है।।।



निष्ठा द्वारा  
निष्ठा द्वारा

१८/१८/१८



निष्ठा द्वारा

(विश्वजीत राय)  
उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी  
उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसहोज औद्योगिक  
विकास प्राधिकरण गूपीडा)



प्रभागीय निदेशक  
सामाजिक वानिकी प्रभाग  
आजमगढ़

## 第十一章

मुख्याली/भवन के नाम सिवाय न भी रखो। प्रयोगात्मक दृष्टि सापेक्षीले हांग परि रक्षा किये गए तो उसका उपयोग बहुत ही असंभव है।

यह समझौता वर्तमान दिनीकर ११/१०/२०१७ को द्वारा दिया गया है और निम्नलिखित अशों द्वारा एतद्वारा वर्णित किया गया है। इसे आगे विस्तृत विवरण में उल्लेख किया जाएगा।

रामजीत पूर्ण श्री नवोहा अंश ५

(१) अंग्रेज़ विद्या विद्यालय अंग्रेज़ विद्या विद्यालय

प्रथम पक्ष (रिह) एतदगात्राचारा भूस्यामि कहा गया है। और  
भारत संरक्षण में सहायता/ भारत संरक्षण के मालायन रो कारो कर रहे..... (कथ निकाय का गाग)  
द्वितीय पक्ष (इ) से एतदगत्याचा "कर्तव निकाय" कहा गया है) वो गत्य एतदगुरुरार हरासाधित / निषादिता किंगा गया है।  
चूंकि उल्लिखित । प्रथमपक्ष यूजिं गो शापेषा दैय दर रात्ता युल गूमि गूत्ता पर साहगत है/। विरका विषयण अनुरूपीयों में दिया गया है,  
और चूंकि गूमा गी अपोरार संरक्षण है/। यि अनुरूपी यो विष्णुष्ट भूवद्व कोई बात या भूवद्व विनी चीज रो रखायी रुख रो सम्बद्ध  
रामी वार्ता कर्तव निकाय की पूर्व अनुगोदन से गतारा ली जा सकती है।

(1) यह कि मानिकार इस वापड़ीता प्रथ के विषयदन वरी तिथि रो अधिकारांग गांधी के भीतर अविवाही वर्ष—

(२) यह कि मारे कम प्रियता भुग्नि का पुराना बद्ध लेना आवश्यक रामबाण है तो गढ़ / वे ऐसा करने का हंकदार होगा / होगे, गढ़ ही इस पर फरार रहती है। परन्तु यह कि भग्नसूखी गे चौरिति "दर और कुल भूमि पूत्य" का भग्नात्मक फर दिया हो।

(३) यह कि मारे कुल भूमि गुण्ड के पश्चात् यह प्रवक्त द्वारा होता है कि इच्छापूर्वी इस सांकेतिक प्रक्रिया के

जाय पांग थिए। जाने दूर धापस गर देखा और किसी अच्युत/धर्मियों द्वारा किरी दाये गए प्रतिकरण उसके माम के लिए कथं विषय/सत्त्व सम्बन्ध को (विषुवा और पृथगत) हैंसिर्ट भी करेगा और उद्योगी पहली किरी भी हाति या नकारात्मक वर्णन करेगा। और अधिकारी के विषय दूसरे विषयों पुगताने के कारण कथं निकाय द्वारा उपाय नियोग कर्त्ता को दूर पर और पश्चात तीसी वर्षों के लिए 15 प्रतिशत की दूर पर व्याज पुगतान परेगा/करेगा। यहि पूर्वानु पुर्विनी पैरा ए उद्दिष्टिवत धाराशी कथं विषय को धापस करने में असफल रहता है। रहते हैं तो कठोरतर कथं विषय से उसे पूर्वानु के धापस को दूर पर व्याज पुगता करेगा। यहि धाराशी को वसूली के लिये प्रयत्न किरी विलियि विनियोग किये जाना चाहिए।

प्रियेयम् दृष्ट्यामि द्वारा देय है या विनीती वित्तिय सरण्या का उपयोग किया जायेगा।

जिवाण रायकरण का अनुदान देते हुए उस मूल्य की धराशी से कटौती करके शेष धराशी को प्राप्तान् गूर्ह जैविक बनाए।

विकाय विभाग के विभागदं वे विनाकि पर ही सम्पन्नित भूस्थांगी रो अनुग्रही-1 मे वर्णित थे का कुल्लो गति विभाग जायेगा।

यादे मूर्खाणे वे रामायण पढ़ा था ।

यह गुरुत्वाता ने समाजीका पत्र को कापा पुणी छांसा करके सम्पदित कराया है।  
यहि गुरुत्वाता के द्वारा समाजीता पत्र की किसी भार्ता का उत्तरान किया जाता है।  
यहि इस गुरुत्वाता पत्र को विष्वादन के उपरान्त बहु प्रकार होता है कि अनुसंधी— ऐ वेलिंग एवं

संरक्षण

२१८।५०

1

## प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रणाली

विश्वसीत राय  
उप मुख्य कायपालक अधिकारी  
चत्तग्रं प्रदेश इत्सप्रेसवेज औद्योगिक  
विकास प्राधिकरण (यूपीडा)

**9/9/2019** ... ਜੇ ਕਿਸ ਮੂਰਖਾਂ/ਮੁਲਾਕਿਆਂ ਜੋ ਸਾਧਾਰਿਤ ਹੋ/ਦੂਜੀ ਰੂਪੀ ਰੂਪੀ ਹੈ/ਅਤੇ ਆਪੇ ਵਿਚਾਰ ਵਿਖੇ ਵਿਚਾਰਿਤ ਅਤੇ ਪ੍ਰਕਾਰਾ ਵਰਤੀਤ ਨਿੱਜੀ ਥਾਂ ਵੇਖੇ ਗਏ ਹਨ।

१) अमराकुल जी का नाम Yr  
२) भगवान् ब्रह्म का नाम Yr

प्रथम पृष्ठ ( दि ) एतदगुरामात् पूर्वानी इहा पाया है और  
भारत संस्कार में चलती है। यारुं संस्कार के मालियर से कारी कर रहे ..... (कथ विकाय वा नाम) हीतीय पृष्ठ ( दि ) एतदगुरामात् "कथ विकाय" कहा पाया है) की भाष्य एतदगुरामात् विषयादिति किया गया है। शूकि उत्तिरिति । यामान गृहि के लालों देव दर एवं खुल गृहि गृह्णा प्रसर साहमत है / यै पिराका विषयण अनुसृती में दिया गया है। और धैकि पूर्ण भी अधीक्षर राज्यता है / यै कि अनुसृती में पर्याप्त भूखद्व गोई बात या भूखद्व विक्षी चीज़ रो राघारी रूप रो राम्बद्व रानी कर्ते कथ विकाय को पूर्ण अनुसृतम् से बारा ली जा राको। अतएव अब पूर्ण और कथ विकाय ये एतदगुरामात् लिप्न प्रकार साहमत होता है रोते है।

(1) यह कि एक विषय है जिसकी प्रति को विषय दर्शाते हैं। और यह विषय भी अधिकतर 12 वाँ वर्ष से भीतर अनिवार्य अर्जन के बिना कार्यकारी नहीं हो सकता है।

(२) यह कि वह कुछ लिखता गया होता था। उसका आवश्यक रामबाला है तो गह / वे ऐसा करने का एकदार होगा/होगे, परन्तु ही इस पर प्रताज्ञ दिली थी। अब तू गह कि अनुयायी गे बौद्धितं दर और बाल मृष्ण मृत्युं का भगवान् फर दिया हो।

(3) यह कि मैं कल सुनी पुस्तक के पश्चात यह पत्र देहोता हूँ कि स्थापी इस संगठित पत्र से कम में विभादित विक्रम पिंडेय के

भासुरों के रामर्थ दमरशी का / ने अंग्रेय रूप से हकदार नहीं है / है और कथ मिकाय के ओर री वित्ती अन्य अन्ति

को विस्तीर्ण प्रतिकृति का सुनपान करने की अवस्था नहीं जाती है तो पूर्वाधीन द्वारा ऐसी इनसारी, जो कथ निकाय द्वारा अवधारित की जाय पाएंगे तो उनमें पर गम्भीर और विशेष अन्य घटित/घटितायों द्वारा निरी दाये गा प्रतिकृति था उसके बारे को

पिण्डी किंवा देवता/देवी संग्रहालय को (संयुक्त और पृथक्का) भौतिकीयीं या करेंगी और उत्तराधीयीं पर्याप्ती या अन्यायान की रूपी कामयाएँ। इसी और विभिन्नों के विरुद्ध हमें / जांचों पुण्यतात्रि में कारण कृत्य शिखित हुआ उपर्युक्त किसी प्रकार या व्यक्ति को

पर्याप्त भागशास्त्री । उसे / उसमें पृथग्याम के कारण क्या विलय होता उपरात किसी भक्तसंग मा व्यय की प्रवृत्ति वर्त के १०००० पर्याप्त है तो पर और परचाल तीन बार्षों के सिए १३ प्रतिशत की पर पर शाखा गुणातान करेगा/करेगे ।

(4) यदि पूर्वानुमतिहीन पैसे में अदिलतेहीन धनाराशी कंघ निकलय को वधिरा करने में असफल रहता है / तो ही से उसका अपार्यग से लाए पूर्वानुमति को बाटा के अब ने बगूल बतने या ऐसी धनाराशी को वधसुनी के लिये प्राप्त कियी जिसे कि आपने अपार्यगी करते हैं।

(b) यदि अपार्टमेंट में विभिन्न गृहों पर गोई सरकारी देय/बत्ती/ शिक्षणसंस्थाओं द्वारा देय है या वित्ती वित्तिय संस्थाएँ या अन्य संस्थाएँ हैं।

गुण गुणि के में ज्ञान शक्तिया है जो सरो भवतारी की कुल गुणि मुख्य की धरतारी से कटीती करके दीप प्रगतारी का गुणालभ गुरुव

(c) क्या निकाती पैर प्रयोगशीली के लिए उपयोगशीलता तक सांविदीता पंच के अनुपीकृत वे उपार्श्व आवश्यक विकास विलेख का विपादन निम्न जायेगा : वे सब कठीकरण / विवरण संवधी र भरत शुल्क जिसमें स्टाण्ड शुल्क भी समिलित हैं को क्या निकाती साथ दाता रखा जाएगा ?

(7) विक्रय विधि: को-ऑपरेटर के वित्तीक पर ही राजधित भूस्थानी रो अनुसूची-1 में संग्रहीत गणि का काल्पना कर्य निकाय द्वारा प्राप्त किया जाएगा।

(ii) कम निकाल हाल मिस्ट्रिंगित आवाजे पर उसे रोपड़ीता घर को गुरुद्वारी को 15 दिनों का वैधिक रेतार नियम सिफारिश

(1) यहै प्रश्नाने रणनीति पद को बताए पूर्ण दृष्टि करके सम्पन्न घोरा है।  
 (2) यहै प्रश्नाने विभिन्न प्रकार के विभिन्न विषयों को अवृत्ति प्रदान करके उपर्युक्त विधि ले

(2) योहि गृहणीये के मान सरकारी पत्र के लियी आर्ति का चलनेवाला विषय जाता है।  
 (3) यदि इस विधि पत्र के विभादित ने उपरान्त वह प्रकट होता है कि अनुसूची- एवं विभिन्न पर्मि का संगतिका मतभावी में उमी

ପାଳୀ / କୁଣ୍ଡଳ

1 - 130

~~পুরো~~ পুরো

(विद्युतीय राय) अधिकारी

**प्रभागीय निदेशक** **संघीय समिति के अधिकारी**  
**संघीय समिति के अधिकारी** **प्रभागीय**

सामाजिक वानेको प्रभाग  
आजमर्गद  
विकास प्राधिकरण (पूनाडा)

8/9/12 2012 ਦੇ ਵਿਚੋਂ ਗੁਰਵਾਸੀ/ਗੁਰਵਾਸਿਆਂ ਜਾਂ ਸਾਧਨਿਆਂ ਲਾ/ਲੇ ਪੂਰੀ ਰੱਖਤੀ ਵਿਖੇ  
ਪ੍ਰਮੇਣ ਆਪੇ ਦੀ ਵਿਕਾਸ ਵਿਖੇ ਵਿਚੋਂ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਅਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਵਿਕਾਸ ਹੈ।

9 अप्रैल २०१८ विषय विज्ञान (विज्ञान)

१०५ एकादशी व्रत पुराणी बड़ा यज्ञा है और

प्रथम पद्धति (१) एसादगुराराम मुख्यतया गहा पदा है और  
भारती राजकारन में संचालित। भारती राजकारन के प्रारंभ से कार्य कर रहे हैं। (कथा विकास का नाम)  
द्वितीय पद्धति (२) भी एसादगुराराम "कथा विकास" कहा पदा है। इसके ग्राम्य एसादगुराराम हररामाश्रम / निष्ठानिति किया गया है।  
तृतीय पद्धति (३) भी एसादगुराराम वैय दर पाणी घुल घुसी घुसा प्रसर संभवत है। इसे भिरका विवरण अनुसृती में दिया गया है।  
और चौथी पद्धति अमोउर राजकारन है। इसे अनुसृती में वैरिंग मृष्टद वैरोह गता था गूबद्ध विरकी वीज से राखी रूप से सम्बद्ध  
राखी बोते कथा विकास को पूरी अनुसृतीमें देव वापार हो जा सकती है।  
अंतिम तीव्र भूमध्य और वैय विकास के प्रत्यावर्ती विवरण वापार होता है। जोड़े हैं।

(१) यह कि सन् १९५४ में अमेरिका पर विद्युतीय और ग्राम्य रेलवे को एक संस्थानीय रूप से बदला गया है।

(२) यह कि वह अपने लिए भूमि का गुरुत्व बचा। तो आवश्यक रामेश्वरा है तो गह/ वे ऐसा करने का दंकदार होगा/होंगे, पने ही इस एक प्रयत्न की जो प्रक्रिया यह कि, अनुसृती गे वैरिएट 'दर और बूल भूमि प्रत्य' का भगतान कर दिया हो।

(3) यह किंतु अपने सुन्नतों तो परमार्थ गत वर्ष दोतों हैं कि

भासुदार प्रसिद्धि के साथौरी गिरावटी का / को अस्त्रिय रूप से उत्पन्न ह नहीं है / है, और कया गिरावट के ओर रो विरो आरा व्यक्ति को विश्री प्रसिद्धि का जन प्राप्ति करो यही अपेक्षा एवं जापी है तो प्राप्ति इस प्रसिद्धि के लिए विश्री आरा व्यक्ति का अस्त्रिय रूप से उत्पन्न ह नहीं है / है, और कया गिरावट के ओर रो विरो आरा व्यक्ति

जो विद्युत वर्तन के लिए उपयोग करने का आवश्यक गति जीता है तो यूरोपीय दृष्टि से इन्हें अत्यधिक विश्वासी, जो कथं नियाय द्वारा अवधारित की जाय चाहे भी। याने पर वापस वर्त देता और किसी अच्छी घटित/घटितायें द्वारा बितारी दगे गा प्रतिवर्त या उसके पात की प्रियद्वय चाहे भी। याने पर वापस सम्भाल को (विधान और प्रधानमंत्री) खालिपत्री भी द्वारा अप्रतिवर्त या उसके पात की

रायी का उत्तोलन और अपनी के विरुद्ध होने / जिनको गुणवत्ता के मारम् रूप विकाय द्वारा उपयोग किसी भक्तार् था वज्र वो  
पर्याप्त हो चुका है / रायी के गुणवत्ता के कारण क्य किनाय द्वारा उपयोग किसी लागत प्राप्त या त्याकी की गयी घनराती पर

प्रथम तर्फ के १२ से १० प्रतिशत के बाहर पर और प्रस्तावना तीव्र वर्षों के लिए १३ प्रतिशत की दर पर थांडा युगलान करेगा/करेगे। (४) यदि युगलान युक्ति दैरा में उपलब्धिकृत राजाशी कथ निवाय को वापस करने में असफल रहता है / रहती है तो कठोरतर के प्रयाप से उसे अवश्यकता है।

(b) यदि अनुसारे वे वर्णित गये पर गोई रातकारी देख/अंग/ प्रियेयम् मूलार्थी द्वारा देय है या किसी विस्तिय रात्मा या अनुसारे वे वर्णित गये पर गोई रातकारी देख/अंग/ प्रियेयम् मूलार्थी द्वारा देय है या किसी विस्तिय रात्मा या

(c) कथा निकाल। और प्रयोगपूर्ण के रूप मुख्यतया हड्डी संस्थानीय पद्धति के अनुसार देखें।

(2) विकास के लिए सभी जीवों का सम्मान करना।

(7) विकाय नियमों के विवरण के विवरण पर ही सम्बन्धित भूसारी तो अनुसूची-1 में वर्णित भूगि का कल्पा काय निकाय द्वारा प्राप्त जायेगा।

१९७५ वर्षात् राजा रामचन्द्र अधिकारी पर इस राजाशास घर को भूख्याली को १५ दिन का गोटिरा देकर निरसत प्रिया लारे।

(1) यहाँ गुरुगण के सम्बोधन पद को क्रूपित की दृष्टि करके सम्पन्नित कराया है।  
 (2) यहाँ गुरुगण के सम्बोधन पद को  $\text{S. P. B.}$  की दृष्टि करके सम्पन्नित कराया है।

(2) याद मुख्यमान के द्वारा संस्कृता प्रयोग के किंविती शर्त का उल्लंघन किया जाता है।  
 (3) यदि इस भौतिक प्रयोग के विषयालक ने समाचार गढ़ प्रकार होता है कि अनुसूची- १ में वर्णित गुणों का संकागित्य भूर्याही में नहीं है।

卷之三

$\lambda_1(\mu_1) \geq \lambda_2(\mu_2) \geq \dots \geq \lambda_n(\mu_n)$

*...and the world will be at peace.*

Digitized by srujanika@gmail.com

④ 16

Digitized by srujanika@gmail.com

प्रभागीय निर्देशक (विश्वज्ञान राय) उप मुख्य कार्यालय अधिकारी

**सामाजिक वानिकी प्रभाग** उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी सामाजिक विकास प्राधिकरण (पाठी)

आजमग्नि विकास प्राधिकरण (एसडी)

मूर्खामी/भूमि के बारे में एवं नियमों के शीर सोने प्रयोगों के लिए समझौते द्वारा मुख्य तथा विभिन्न जारी हुए नियमित किया जाते हैं।

गह समझौते पत्र आज दिनांक 4/9/2017 को निज मूर्खामी/भूमिके जो सापेता का/के पूर्ण स्थानी है/हैं विरो आगे विधिमान पत्र है और नियमित अन्यों में एतद्वारा वर्णित किया गया है अर्थात्

पत्र नं. प्रधान श्री क्रमांक 6420

(१) प्रधान श्री अश्व

(२) प्रधान श्री अश्व

प्रधान पत्र (१) सत्रामान मूर्खामी कहा गया है और, पारदर्शकार है राष्ट्रपति / भारत सरकार के गोप्य सोने का कार्य कर रहे हैं (क्य निकाय का नाम)। इतीय पत्र (२) से एतद्वारा "क्य निकाय" कहा गया है वे भव्य एतद्वारा उत्तराधिकारिता / नियमित किया गया है। चूंकि उल्लिखित प्रधानमंत्री के सापेक्ष देख दर तात्पुर गुण पर सहभाग है/है, विद्याका विवरण अनुसूची में दिया गया है, और दैर्घ्य के अनुसार राहगत है/है, यह अनुसूची में वर्णित भूषण गोई बात या गूबद्ध विवरी चीज जो स्थानी रूप से सम्बद्ध अतएव अब गुरुमानी और विधि द्वारा एतद्वारा प्रकार सहभाग होता है होते हैं।

(१) यह कि मा. निकाय इस समझौता पत्र के लिए दिन वी विभिन्न रो अधिकाराना गाह के भीतर अनिवार्य अर्जान के लिए कार्यवाही करने में सहाय रहेगा।

(२) यह कि मा. क्य निकाय गुणी नाम सुनाया लेना, आपराधिक समझौता है तो यह / वे ऐसा करने का हकदार होगा/होंगे, गले ही इस पर प्रधानमंत्री को प्रस्तुत गह कि, अनुसूची में वर्णित "दर और कुल गुण भूत्य" का गुणानुसार कर दिया हो।

(३) यह कि मा. कुल गुण दृश्य के पश्चात यह प्रकार होता है कि गुणामी इस समझौता पत्र के काम में नियमित विकाय विस्तेषु के अनुसार प्रति १ के सम्पूर्ण धनराशी का / को अन्यथा रूप से उत्तराधिकार नहीं है/है, और क्य निकाय के ओर से विवरी अन्य विकाय को किसी प्रतिक्रिया का प्राप्तान करने की अनुमति नहीं जाती है तो गुणामी द्वारा ऐसी धनराशी, जो क्य निकाय द्वारा अन्यान्यता की जाय गयी है। यहां पर वापस पर देगा और कि यह अन्य विकाय/विकायों द्वारा किसी तरफ या प्रतिकर या उत्तराधिकार के लिए क्य दिया/उत्तराधिकार को (अनुसूची और पृष्ठक्रम) वित्तियों नी करेंगा और सहोली यांची वित्ती नी हानि या नुकसान की राही करेगा। और दृश्यामी के विषय हमें / जानको गुणानुसार धनराशी के विवरण दृश्य विवरण द्वारा उपगत वित्ती प्रकार सा व्यवहार पर पश्चात वर्त के १५० परिवर्तन के दर पर और पश्चात तीन वर्षों के लिए १५ अनुसार तो दर पर यांच गुणानुसार करेगा/करेंगे।

(४) यदि गुरुमानी कुर्सियां देता है तो उल्लिखित धनराशी क्य निकाय को वापस करने में अराफल रहता है / रहती है तो कटौतकर के वार्तावाही करेंगे / अपैश हैं का गुरुमानिकार करेगा।

(५) यदि अनुसूची में वर्णित गुणी पर गोई रारकारी देय/अर्थ/ विवेद्यम हूमामी द्वारा देय है या विवरी वित्तिय साल्ला या जाय गयी गुणी के लिए गुणानुसार है तो रारा धनराशी को कुल गुण मुल्य की धनराशी से कटौती करके शेष धनराशी का गुणानुसार गूबद्ध

(६) क्य निकाय गुणामी के विवरण उल्लिखित द्वारा समझौता पत्र के अनुपोदन के उपरान्त आपराधिक विकाय विस्तेषु का लियादान विकाय जायेगा विस्तार प्रकारण/विवरण सार्वी साल्ला शुल्क जिसपे स्थाप्य शुल्क भी सम्बन्धित है को क्य निकाय द्वारा लाय गया है।

(७) विकाय निकाय के लियादान के लिए पर दी सम्भित गुणामी जो अनुसूची-१ में वर्णित गुणी का कल्पा क्य निकाय द्वारा प्राप्त विवरा जायेगा।

(८) क्य निकाय द्वारा विवरणित अदान पर इस समझौता पत्र को गुरुमानी को १५ दिन तक नोटिस देकर निरस्त किया जा सकता है।

(९) यदि गुरुमानी ने समझौता पत्र को क्य पर पुर्ण छोड़ा करके सम्पादित कराया है।

(१०) यदि गुरुमानी ने द्वारा समझौता पत्र को किसी गार्त का उल्लिखित किया जाता है।

(११) यदि इस समझौता पत्र ने विवरण के उपरान्त गह प्रकार होता है कि अनुसूची-१ में वर्णित गुणी का रावणित्व भूमामी में नहीं है।

प्रधानमंत्री  
सामाजिक वानिकी प्रधान

आजमगढ़

प्रधान  
मंत्री

(विश्वजीत राय)

उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी  
उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक  
विकास प्राधिकरण (यूपोड़)

कुर्याणी/मृत्यु के बाद जिसमें शीघ्रता से प्रयोगात्मक किए सापड़िले हाथ मुख लगा किये गए हैं उनमें इसी रूप से अपारिष्ठ किया जाता

यह समझौता यह आज दिनांक 4/9/17 को 2019 तक विनाश भूखण्डी/भूरकामियों जो राष्ट्रपति का/के पूर्ण स्थानी है/हैं विनाश आगे ले लक्षित दिना पक्का है औ निरन्तरित अशो ऐ एतत्वद्वारा वर्गित किया गया है गवर्नरः

એવી મનુષીએ હોય કે આ વિશ્વાસ કરી શકે હોય કે

(१) श्रीमद्भागवत् ग्रन्थालय १८६२ वर्ष

१२५ विद्युतमा प्रयोग  
प्रयोग विद्युत १२५ विद्युत अरा १२५

प्रथम पद्धति (१) एक लोकात् भूत्यात् कहा गया है और भारत संस्कार में द्वितीय पद्धति भी भारत संस्कार के प्रभाव से कार्य कर रहे हैं (कथा निकाय का नाम)। द्वितीय पद्धति (२) भी एक लोकात् "कथा निकाय" जैसी नाम है जो भूत्या एवं दर्शनात् / निष्ठादिति किया गया है। यौकि उल्लिखित १ या लोकात् भूत्या के चलतान् दैर्घ्य दर्शनात् वक्तव्य गुणों पर संबंधित है तो यह निराकार विवरण अनुसृती में दिया गया है। और यौकि भूत्या भी क्रमशः इष्टप्रति है, तो उसका नाम क्रमशः यौकि भूत्या वारा या भूवद्व विश्री धीज रो रथायी रूप से सम्बद्ध सभी वारों के निकाय है। अनुसृत्या उपर्याप्ति भूत्या लोका नाम उपर्याप्ति भूत्या वारा या रथायी। अतएव आव भूत्या अनुसृत्या निकाय एवं प्रकार सहजत होता है, होते हैं।

(1) यह कि मा। विप्रादेशीय अधिकारी ने उनके विषय से आपराधिक गांव के भीतर अनिवार्य अर्जम को बिना कार्रवाई करने पर राज्य लौग।

(2) यह कि न हो कर विद्युत गृह का राज्य बनाए तो उस आवश्यक राज्य है तो गह / वे ऐसा करने का हकदार होगा/होंगे, मगे ही इस पर फरारत रखना चाहते हैं कि अपनी सूची ग वाली दर और बुल मूल्य का भुगतान कर दिया हो।

(3) यह कि शासक ने अपनी व्यवस्था को बदला गए लक्षणों का है। कृष्णायी इस सांवित्री पत्र के काम में निष्पादित विक्रेता विरोध के अनुसार प्रति / को राष्ट्रपूर्ण धनराशी को / को आयाम रूप से छोड़ दी जाती है / है, और कथा निकाय के ओर से विरोधी आज व्यक्ति को विक्री प्रदित र जो पूर्णता करने की अपेक्षा वी जाती है तो पूर्णता हासा ऐसी धनराशी, जो कथा निकाय हासा आवधारित की जाय पाएगा नि । जाने पर धारा गर देगा और किसी अच्युत्यविद्या द्वारा किसी दाये या प्रतिक्रिया या उसके भाग के विषय कथा विवरण / राजा संखार को (वियुक्त और पृथक्कर) व्यक्तिपूर्ति नी करेंगा और उसकी मधी किसी नी सभी या धनराशी की राजा का अन्ताना / और वायिनी के विरुद्ध होगे । जिसको धुगातान / कारण कथा निकाय हासा उपात किसी प्रकार या व्यक्ति की मधी धनराशी / उसे / जाने पूर्णताने के कारण कथा निकाय हासा उपात किसी लागत प्राप्त या आय यी गयी धनराशी पर प्रश्न तर्फ के हो । ७ अधिकारों के द्वारा पर और परस्तात रही वर्षों के लिए १५ अतिशात की दर पर आज धुगातान करेगा ।

(4) यदि धर्माचार्य वृक्षिती पैरा में विकेता व्यवस्था का काम लिया जाए तो यह विक्रेता व्यवस्था का काम होगा ।

(३) यह शैक्षणिक पुस्तकों परा में उत्तम्यावश्वत् धाराशी कथ शिक्षण को वापस लाने में असफल रहता है / इसी ही तो कठोरतर के गायम से रहे गृहनारा के घटाये को एवं में वयुल लाने या ऐसी धाराशी को वयुली के लिये प्रयुत्ति किसी विधि कि अधीन चर्याकारी करने का / अपेक्षा होते का पूरा अंगिकार होगा।

(6) यदि अन्यथा वे कैवलीत गुण पर प्रोई सरकारी देय/वर्त्त/ प्रियेयम् मूल्याभी द्वारा देय है वा वित्तीय संस्था वा अन्य गमन गुणी वै विकल्प कालाया है तो संसाधनोंकी कुस गुणी मूल्य की धगारशी से कटौती करके शेष धनादानी का भूगतान मूर्य गमन गुणी वै विकल्प कालाया।

(v) कथा निकाय और पुस्तकप्राप्ति के पार्श्व सम्बन्धीत डरा संगठीता पत्र के अनुसोदन के संपर्शस्त आवश्यक विकाय विलेख का निष्पादन निकाय जारीरहा है। सरकार पुस्तकप्राप्ति/निकाय सामग्री रागत सुन्दर शुल्क जिसापे स्थापन शुल्क भी सम्भवित है को कथा निकाय द्वारा दर्या

(7) विकाय विभाग के विभागों के विभिन्न पर दौ सम्बन्धित भूस्थानी रो अनुसूची-1 में वर्णित भूगि का कल्पना कर निकाय द्वारा प्राप्त विभाग जायेगा।

(ii) काग निकाय द्वारा विनाशित आमारों पर कर्ता संगठीता पत्र को मूरवाणी को 15 दिन का नोटिस देकर निरस्त किया जा सकता है।

(1) यहे मूर्खाएँ ने राजा-प्रीता पर वो काहर पुणे छाला करके सम्पत्ति गंगराया है।  
 (2) यहे मूर्खाएँ ने राजा-प्रीता पर वो दिनी वर्ष तक बनाया है।

(3) यदि इस अधीक्षा पर्यादन के विपरीत शर्त का उल्लंघन किया जाता है ।

RECEIVED  
FEB 19 1991  
LIBRARY  
UNIVERSITY OF TORONTO LIBRARIES  
1991

10. The following table shows the number of hours worked by 1000 workers in a certain industry.

Digitized by srujanika@gmail.com

卷之三

21212107

102 दिनांक  
२८/८/१९७४

Mr. Mash

*Sam Sint*

1974

100% ~~100%~~  
100% ~~100%~~

## प्रधारीय निवेद सामाजिक वानिकी प्रश्न आजमग्नि

(विश्वजीत राय)

उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक

## विकास प्राधिकरण (यूपीडा)